वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

जन्म – 1911 ई0 (जेठ पूर्णिमा)

जन्म स्थान – तरौनी, दरभंगा

कृति – मैथिली-चित्रा ओ पत्रहीन नग्न गाछ-(कविता संग्रह) पारो, नवतुरिया, बलचनमा-(उपन्यास) पृथ्वी ते पात्रं-कथा।

हिन्दी-युगधारा, सतरंग पंखोवाली, प्यासी पथराई आँखें, तुमने कहा था, हजार-हजार बाहों वाली रत्न गर्भा आदि कविता संग्रह।

रतिनाथ की चाची, बलचनमा, नई पौध, बाबा बटेसरनाथ, कुम्भीपाक, दुखमोचन आदि उपन्यास।

एकर अतिरिक्त हिन्दीमे कहानी संग्रह, खण्डकाव्य, अनुवाद पर प्रकाशित पुस्तक।

पुरस्कार – 1968 ई0 मे 'पत्रहीन नग्न गाछ' मैथिली कविता संग्रह पर साहित्य अकादेमी दिल्लीसँ पुरस्कार, बिहार सरकार द्वारा 'शिखर सम्मान'।

निधन – 5 नवम्बर, 1998 ई0।

□□□

युग-धर्म

नहि मानइ अछि बात ओहिना अपनो बेटा-नाति

मास मास पर गहन लगइ अछि पल पल पर संकराँति

बदलि रहल अछि छन छन दुनियाँ किछु नहि क्यो नहि थीर

भ गेलाह बाबा कपिलेश्वर आन्हर आर बहीर

सुनतहि नब नचारी बूढ़ाकेँ उठैत छन्हि खौतँ

भरि भरि ढाकी फाँकि जाई छथि भाङक भनहि सुखौंत

शहर शहरमे फुजल-सिनेमा, क्यो नहि सुनए पुरान

ककरो नहि चिंता छइ जे खौंझा उठता भगवान

कोना छजत पहिलुक ढाठीपर आजुक टटका रङ

अपन महिँस कुड़हड़िअहि नाथब, के ने कहत अबढंग

खुटिआ मिर्जइ नहि साहाइ छइ पहिरए कोट-कमीज

बूड़ि ने कहिअउ, कन्हुआकेँ ताकत बेटा- भातीज

कोना बुझब जे पूर्वजलोकनि रहथि वेश बुधिआर

पढुआ कका करब जँ, नहि हमरासँ बात-विचार।

शब्दार्थ

मास-मास-प्रत्येक मास

थीर-स्थिर

खौँत-गर्मीसँ मोन व्याकुल हैब

सुखौँत-सुखायल वस्तु

अबढंग-बिना ढंग केँ

गहन-ग्रहण (चन्द्रग्रहण, सूर्य ग्रहण)

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

निम्नलिखितमे सँ सही विकल्पक चयन करू :-

(i) कवि मास-मास पर कथी लगबाक बात कहलनि अछि?

(क) गहन (ख) संकराति (ग) पूर्णिमा (घ) मेला

(ii) कवि एहि काव्यमे बूढ़ा शब्दक प्रयोग ककरा निमित्त कयलनि अछि?

(क) ब्रह्मा (ख) विष्णु (ग) महेश (घ) इन्द्र

(iii) प्रस्तुत कवितामे कवि शहर-शहरमे कथी फुजबाक बात कहलनि अछि?

(क) सिनेमा (ख) दोकान (ग) कारखाना (घ) एहिमे सँ किछु नहि

(iv) कवि आजुक युगमे कथी पहिरबाक बात कहलनि अछि?

(क) कोट-कमीज (ख) धोती-कुर्त्ता (ग) मिरजई (घ) वण्डी

2. लघूत्तरीय प्रश्न-

(i) आजुक बदलैत युगमे के थीर अछि?

(ii) आजुक युगमे की अपनो बेटा-नाति बात मानवा लेल तैयार अछि?

(iii)आजुक युगमे वेद-पुराण के सुनैत अछि? कविताक आधार पर लिखू।

3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न -

(i) 'कोना छजत पहिलुक ढ़ाठीपर आजुक टटका रंगक की तात्पर्य?

(ii) कविताक आधार पर आजुक युग धर्मक चर्चा करू।

4. रिक्त स्थानक पूर्ति करू-

(i) भऽ गेलाह बाबा.....आन्हर आर बहीर।

(ii) भरि-भरि ढाकी फाँकि जाइ छथि.....सुखौंत।

(iii)शहर-शहरमे फुजल सिनेमा क्यो नहि सुनय.....।

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

निम्नलिखितमे सँ सही विकल्पक चयन करू :-

(i) कवि मास-मास पर कथी लगबाक बात कहलनि अछि?

(क) गहन (ख) संकराति (ग) पूर्णिमा (घ) मेला

(ii) कवि एहि काव्यमे बूढ़ा शब्दक प्रयोग ककरा निमित्त कयलनि अछि?

(क) ब्रह्मा (ख) विष्णु (ग) महेश (घ) इन्द्र

(iii) प्रस्तुत कवितामे कवि शहर-शहरमे कथी फुजबाक बात कहलनि अछि?

(क) सिनेमा (ख) दोकान (ग) कारखाना (घ) एहिमे सँ किछु नहि

(iv) कवि आजुक युगमे कथी पहिरबाक बात कहलनि अछि?

(क) कोट-कमीज (ख) धोती-कुर्त्ता (ग) मिरजई (घ) वण्डी

2. लघूत्तरीय प्रश्न-

(i) आजुक बदलैत युगमे के थीर अछि?

(ii) आजुक युगमे की अपनो बेटा-नाति बात मानवा लेल तैयार अछि?

(iii)आजुक युगमे वेद-पुराण के सुनैत अछि? कविताक आधार पर लिखू।

3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न -

(i) 'कोना छजत पहिलुक ढ़ाठीपर आजुक टटका रंगक की तात्पर्य?

(ii) कविताक आधार पर आजुक युग धर्मक चर्चा करू।

4. रिक्त स्थानक पूर्ति करू-

(i) भऽ गेलाह बाबा.....आन्हर आर बहीर।

(ii) भरि-भरि ढाकी फाँकि जाइ छथि.....सुखौंत।

(iii)शहर-शहरमे फुजल सिनेमा क्यो नहि सुनय.....।

5. निम्नलिखित काव्यांशक व्याख्या करू-

(i) खुटिया मिर्जइ नहि सोहाइ छै पहिरए कोट-कमीज

(ii) बूड़ि ने कहिअउ, कन्हुआकेँ ताकत बेटा-भातीज

व्याकरण-

प्रस्तुत कवितासँ संज्ञा शब्द चुनि कऽ लिखू।

गतिविधि-

1. कवितामे वर्णित युगधर्मक सम्बन्धमे लिखू।

निर्देश-

1. शिक्षकसँ आग्रह जे छात्रसँ प्रगतिवादक विषयमे चर्चा करथि।